HW
20/7/21

Date
Page 31

गृहकार्य

अतिथि तुम कब जाओगे पाठ का मूल उद्देश्य क्या है?

पाठ 'तुम कब जाओगे अतिथि' में लेखक शरद जोशी ने यह बताया है कि हम सभी को दूसरों के घर में रहकर आदर सत्कार प्राप्त करना अच्छा लगता है परन्तु इसका मतलब यह नहीं कि सारे अपना घर छोड़ कर दूसरों के घर में रहने लगें। हमारी संस्कृति में 'अतिथि देवो भवः' कहा गया है। परन्तु जब अतिथि जरूरत से ज्यादा दिनों तक रुक जाता है तब वह अतिथि देवता से दानव बन जाता है क्योंकि आज की दौड़ती भागती जिंदगी में किसी के पास इतना समय और धन नहीं है, कि वो लंबे समय तक अपने अतिथि का आवभगत कर सके। इसलिए लेखक हमें यह शिक्षा देते हैं कि हम भी यदि किसी के घर जाएं तो ज्यादा समय तक रहकर किसी को तकलीफ न दें।